राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

राजस्थान सरकार

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

25 नवम्बर 2023: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 32

लालाजी लड्डू लाए
आज की कविता

लालाजी को लड्डू बहुत पसंद है । लेकिन एक दो की बात क्या करें, लालाजी तो पूरी टोकरी भर लड्डू खाते हैं। और वो भी अकेले। लेकिन लड्डू भी कहाँ शांत रहने वाले हैं। 105 लड्डू मिलकर कुछ तो शरारत करेंगे। तब लालाजी के पेट का क्या हाल होगा ? लड्डुओं ने किया धमाल तो लालाजी का क्या हुआ हाल ? तो आइए सुनते हैं ये मजेदार कविता। सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Infobells

सदा मुस्कराते रहिए
आज की कहानी

हिरण का बच्चा उछलता जा रहा है, उछलता ही जा रहा है। वह तेज फर्राटे से दौड़ लगा रहा है। उसने तेज दौड़ना सीख लिया है। खरगोश को, हाथी को सबको पीछे छोड़ता हुआ वह दौड़ता जा रहा है। नदी की धार और टूटी दीवार उसने एक छलांग में पार कर ली। लेकिन क्या हुआ जब एक पत्थर से उसे चोट लगी और वह गिर पड़ा ? किसने उसे संभाला? चित्र पर किलक करके देखते हैं ये कहानी ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Bookbox

नानी का बगीचा
आज की किताब

तारा के नाना-नानी अब उसके साथ नहीं रहते। नानी और उनके हाथ के खाने के बिना तारा को बिलकुल अच्छा नहीं लगता। लेकिन नानी के नए घर के आँगन में कुछ अनोखा हो रहा है। उन्होंने छोटे-छोटे गड्ढे खोदकर उनमें कुछ छुपाया है । आइए जानें कि तारा के नाना-नानी ने आँगन में क्या छुपाया है ? और कैसे यह रहस्य खुलेगा ? कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

पेपर हाउस
आज की गतिविधि

मिट्टी के, लकड़ी के, ईंट और पत्थर के घर आपने बहुत देखे होंगे और खिलौने वाले घर भी बनाए होंगे। घर है ही ऐसी चीज जो हमेशा लुभाती है। खिलौने वाला घर तो और भी लुभाता है। आज हम ऐसा ही खिलौने वाला एक घर बनाएंगे लेकिन उसकी खास बात यह है कि वह एक ही कागज से बन जाता है। एक कैंची और गोंद लो और घर बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करो ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

इबारती सवालों की भाषा
टीचर्स कॉर्नर

शुरुआती गणित सीखने में इबारती सवालों की बड़ी अहम भूमिका है। यह गणित संक्रियाओं को न सिर्फ संदर्भ देते हैं बल्कि भाषा के साथ एक रिश्ता कायम करने का मौका भी देते हैं। लेकिन कई बार इबारती सवालों की भाषा इतनी अनजान, बनावटी और वास्तविकता से दूर हो जाती है कि गणित भी मुश्किल हो जाती है। अमित अपने आलेख में इसी मसले की चर्चा कर रहे हैं ।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

पुस्तकालय का उजाला
हमारा पुस्तकालय

पुस्तकों का अपना प्रकाश तो होता है लेकिन यह प्रकाश तब ही पूरे पुस्तकालय का उजला बनता है जब किताबो का सिर्फ लेन देन ही नहीं होता बल्कि उन पर बातें होती हैं, वह पढ़ी जाती हैं, सुनाई जाती हैं। उनकी कहानियों और कविताओं का रस जब पुस्तकालय कक्ष में फैलता है तभी यह उजाला फैलता है। शिक्षक रामअवतार मीणा ने कैसे ये उजाला बिखेरा सुनते हैं उन्हीं की जुबानी ।

शिक्षकों के लिए। RSLPP

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 187वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा ? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।